



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्रार्थिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 149] नई दिल्ली, मंगलवार, मई 18, 1982/ वैशाख 28, 1904
No 149] NEW DELHI, TUESDAY, MAY 18, 1982/VAISAKHA 28, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate number is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 18 मई, 1982

सं० 153/82—सीमाशुल्क

सं० का० नि० 413(अ)—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क, अधिनियम, 1962
(1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते
हुए अपना यह समाधान हो जाने पर कि प्राकृतिक क्षेत्र में ऐसा करना आवश्यक है, विनिर्देश
की० एम० एम०-ई० एन०-54, ई० एन०-59, 21-4 एन०, 21-12 एन०, एम०-81, 1974
का आई० एम०-7491 और 1980 का आई० एम० 9516 में से किसी विनिर्देश वाले
मिश्र धातु की हथियार शस्त्रास्त्रों या छड़ों को, जब उनका प्रस्तुत हथियारों के शस्त्रों के विनिर्माण
के लिए भारत में आयात किया जाता है उन पर उद्ग्रीहण सीमाशुल्क के, जो सीमाशुल्क टैरिफ

अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट है, उतने भाग से छूट देती है, जितना मूल्य के 60 प्रतिशत से अधिक है :

परन्तु आयातकर्ता ऐसे प्रारूप में और ऐसी राशि का जो सीमाशुल्क सहायक कलक्टर द्वारा विहित किया जाए, बंधपत्र निष्पादित करके स्वयं को इस बात के लिए आबद्ध करता है कि वह प्रनगत ऐसी मिश्रधातु की इस्पात जलाकाओं और छड़ों की उस मात्रा की बाबत जिसके बारे में सीमाशुल्क सहायक कलक्टर के समाधानप्रद रूप में यह गाबित नहीं कर दिया जाता है कि उसका पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए प्रयोग किया गया है, मांग किए जाने पर उतनी रकम का संचाय करेगा जो इस अधिसूचना में दी गई छूट के न दिए जाने की वशा में ऐसी मात्रा पर उद्घोषणीय शुल्क और आयात किए जाने के समय पहले ही संवत् शुल्क के बीच के अन्तर के बराबर हो।

[फा० सं० 355/91/81-सी० शु०-1]

ए० के० छाबड़ा, उप सचिव।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th May, 1982

No. 153/82-CUSTOMS

G.S.R. 415(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts bars or rods of alloy steel having any of the specifications BSS-EN-54, EN-59, 21-4N, 21-12N, S-81, IS-7494 of 1974 and IS-9516-1980, when imported into India for the manufacture of valves for internal combustion engines, from so much of that portion of the duty of customs leviable thereon, which is specified in the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), as is in excess of 60 per cent advalorem :

Provided that the importer, by execution of a bond in such form and for such sum as may be specified by the Assistant Collector of Customs, binds himself to pay, on demand, in respect of such quantity of bars or rods of alloy steel in question as is not proved to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs to have been used for the aforesaid purpose, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation.

[F. No. 355/91/81-Cus-I]

A. K. CHHABRA, Dy. Secy.